

(4)

संख्या:-308/XX-1/11-01ब./10

प्रेषक,

राजीव गुप्ता,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक,
उत्तराखण्ड, देहरादून

गृह अनुभाग-1

देहरादून: दिनांक:- 7 मार्च, 2011

विषय:-वित्तीय वर्ष 2010-11 में विभिन्न अधिष्ठानों के मानक मदों में धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक पुलिस मुख्यालय के पत्र संख्या: डीजी-छ:-22/2010(40) दिनांक 10 फरवरी, 2011 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि पुलिस विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न अधिष्ठानों के आवश्यक व्ययों को वहन किये जाने हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 में आयोजनेत्तर पक्ष में संलग्न परिशिष्ट के अनुसार लेखाशीर्षक/मानक मदवार कुल रुपये 3,98,80,000/- (रुपये तीन करोड़ अठानब्बे लाख अस्सी हजार मात्र) आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- आंवटित बजट की सीमान्तर्गत रहते हुए किसी भी दशा में न तो अधिक व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जाय। धनराशि का आहरण एवं व्यय वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में किया जायेगा।

3- बहुधा यह देखा गया है कि धनराशि विभागाध्यक्ष के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी आहरण-वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः यह सुनिश्चित किया जाय कि विभागाध्यक्ष के निस्तारण पर जो धनराशि रखी गई है वह आहरण-वितरण अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाय ताकि विभाग की विभिन्न इकाईयों के स्तर पर बजट उपलब्ध न होने जैसी स्थिति उत्पन्न न हो। विभागाध्यक्षों द्वारा आहरण-वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशियों का विवरण संकलित कर निर्धारित प्रपत्र बी.एम.-17 पर शासन/वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाय।

4- धनराशि व्यय करते समय वित्तीय नियमों, वित्त हस्त पुस्तिका, बजट मैनुवल एवं उत्तराखण्ड अभिप्राप्ति नियमावली के सुसंगत प्राविधानों तथा मितव्ययता सम्बन्धित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।

कमश.....2

5- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या:-795/NP/xxvii(5)/2011 दिनांक 25 फरवरी, 2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहें हैं।

भवदीय,


(राजीव गुप्ता)
प्रमुख सचिव

संख्या एवं दिनांक तदैव:-

प्रतिलिपि:-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं तदनुसार अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. निदेशक, कोषागार, 25 लक्ष्मी रोड़ देहरादून।
3. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- ✓ 4. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र(एन.आई.सी.) सचिवालय परिसर देहरादून।
5. वित्त अनुभाग-5, उत्तराखण्ड शासन।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(महावीर सिंह चौहान)
अनु सचिव

शासनादेश संख्या:-308/210/XX(1)/11-01ब./10 दिनांक मार्च, 2011 परिशिष्ट
मुख्य लेखाशीर्षक:- 2055 पुलिस

अनुदान संख्या:-10

क्र.सं	लेखाशीर्षक	मानक मद	धनराशि रुपये हजार में	
			आयोजनागत	आयोजनेत्तर
1	2	3	4	5
1	001 निदेशन और प्रशासन 03-मुख्यालय	08-कार्यालय व्यय 1039/999		500
		11-लेखन सामग्री और फार्मों की छपाई 439/400		200
		13-टेलीफोन व्यय 1528/1274		150
		19-विज्ञापन, बिक्री और विख्यापन व्यय 207/2273		100
		योग:-		950
2	003 शिक्षा और प्रशिक्षण 04-शिक्षा और प्रशिक्षण मुख्य	09-विद्युत देय 50/100		100
		योग:-		100
3	104 विशेष पुलिस 03 राज्य शस्त्र कान्सटेबुलेरी मुख्य	13-टेलीफोन 242/279		30
		योग:-		30
4	104 विशेष पुलिस 04-इण्डिया रिजर्व वाहिनी	01-वेतन 131400/57600		20000
		03-मंहगाई भत्ता 41800/12400		18000
		योग:-		38000
5	109-जिला पुलिस	42-अन्य व्यय 10200/249		500
	04-रेडियो अधिष्ठान	योग:-		500
6	800-अन्य व्यय	15-पेट्रोल डीजल की खरीद 3261/3644		300
	04-अग्नि से संरक्षण एवं नियन्त्रण अधि.	योग:-		300
महायोग:-				39880

(रुपये तीन करोड़ अठानब्बे लाख अस्सी हजार मात्र)

Rajiv Gupta
(राजीव गुप्ता)
प्रमुख सचिव